स्टार्टअप की दुनिया में परचम लहरा रहे भारत के युवा : मोदी

कहा- दुनिया की बड़ी कंपनियों में भारतीय सीईओ को देखकर होता है गर्व

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी आज विश्व में छाई हुई है। गर्व होता है, जब देखते हैं कि दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के सीईओ हमारे ही देश की संतान हैं। भारत के युवा स्टार्टअप की दुनिया में परचम लहरा रहे हैं।

पीएम मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से संवाद के दौरान कहा, गर्व होता है, जब देखते हैं कि भारत के युवा नए-नए इनोवेशन कर रहे हैं, देश को आगे बढ़ा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2022 के लिए 29 और 2021 के लिए 32 विजेताओं को डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किए। पीएम ने कहा, कुछ समय बाद अपने दमखम पर पहली बार अंतरिक्ष में भारतीयों को भेजने वाले हैं। गगनयान मिशन का दारोमदार भी युवाओं पर ही है। उन्होंने कहा, पुरस्कार के साथ ही जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लेकिन अपेक्षाओं के कारण इससे दबाव लेने की जरूरत नहीं, बल्कि इससे प्रेरणा ली जानी चाहिए।

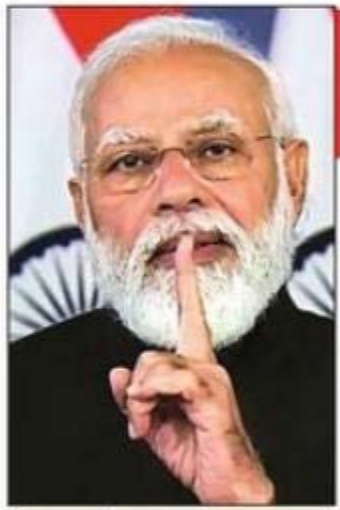

61 राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए डिजिटल प्रमाणपत्र

आजादी की लड़ाई में बच्चों की भी भूमिका

पीएम मोदी ने सभी देशवासियों से वीर साहिबजादों के बारे में पढ़ने को कहा, जिनकी शहादत पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। मोदी ने कहा, आजादी की लड़ाई में वीर बाला कनकलता बरुआ (असम), खुदीराम बोस (बंगाल), रानी गाइडिनिल्यू (नगालैंड) जैसे वीरों का ऐसा इतिहास है, जो गर्व से भर देता है। इन्होंने छोटी उम्र में ही देश की आजादी को जीवन का मिशन बना लिया था। आप सबको भी इन्हीं की तरह कार्य करने हैं।

स्वच्छ भारत अभियान की सफलता का श्रेय बच्चों को

स्वच्छ भारत अभियान की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय भी मैं बच्चों को देता हूं। आप लोगों ने घर-घर में बाल सैनिक बनकर, स्वच्छताग्रही बनकर अपने परिवार को स्वच्छता अभियान के लिए प्रेरित किया। घर के लोग स्वच्छता रखें, घर के भीतर और बाहर गंदगी न हो, इसका बीड़ा बच्चों ने खुद उठा लिया था।

नेताजी के जीवन से प्रेरणा लें

पीएम मोदी ने बच्चों से संवाद के दौरान इंडिया गेट पर रविवार को लगाई गई होलोग्राम प्रतिमा का भी जिक्र किया। उन्होंने बच्चों से नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। पीएम ने कहा, जिस तरह नेताजी ने देश के लिए अपने कर्तव्यों को निभाया, उसी प्रकार आपको भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाना होगा।

वोकल फॉर लोकल के लिए आगे आएं : घर में एक लिस्ट बनाइए। सुबह से रात तक आप जिन चीजों का उपयोग करते हैं, इनमें कितने भारत में नहीं बने हैं। लोगों से आग्रह करें कि भविष्य में जब वैसा ही कोई सामान खरीदा जाए तो वो भारत में बना हो। उसमें देश की मिट्टी व युवाओं के पसीने की सुगंध हो। **-नरेंद्र मोदी, पीएम**

29 बच्चों में से 14 बेटियों को बाल शक्ति पुरस्कार

बाल शक्ति पुरस्कार की विभिन्न श्रेणियों के तहत इस वर्ष देशभर से 29 बच्चों को पीएमआरपीबी-2022 के लिए चुना गया है। इनमें 14 लड़कियां हैं। पुरस्कार विजेता हर साल गणतंत्र दिवस परेड में भी भाग लेते हैं। पीएमआरबीपी के प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, एक लाख का नकद पुरस्कार और एक प्रमाणपत्र दिया जाता है।

एक लाख का नकद पुरस्कार